



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 390]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 29, 1984/आश्विन 7, 1906

No. 390]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1984/ASVINA 7, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

नौबहन और परिवहन मंत्रालय

अनुसूची

(पत्तन स्कन्ध)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1984

सा.का. वि. 700(अ).—भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) के खण्ड 34 के साथ पठित खण्ड 33 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और नौबहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन स्कन्ध) के दिनांक 9 नवम्बर, 1977 के सां. कां. निं. 692(ई) में भारत सरकार की अधिसूचना का अधिष्ठापन करते हुए केन्द्रीय सरकार यह निर्देश देती है कि सरकारी राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों को समाप्त के बाद के दिन से पाराबोप पत्तन में प्रवेश करने वाले प्रत्येक जलयान पर नीचे दी गई अनुसूची में दिए अनुसार पत्तन शुल्क लिया जाएगा:—

जलयान की जी आर टी	पत्तन प्रवेश शुल्क रुपये में
1. 200 तक	2. 50/जी०आर० टी०
2. 201-499	2. 50/जी०आर० टी०
3. 500-2999	2. 50/जी०आर० टी०
4. 3000-6999	2. 50/जी०आर० टी०
5. 7000-14999	3. 00/जी०आर० टी०
6. 15000-24999	3. 00/जी०आर० टी०
7. 25000-39999	3. 00/जी०आर० टी०
8. 40000 से अधिक	3. 50/जी०आर० टी०

टिप्पणी 1 : परिभाषा

(1) जलयानों के सन्दर्भ में तटीय/तटवर्ती का अर्थ होगा भारत के एक पत्तन से दूसरे पत्तन के बीच आना जाना।

(2) विदेशी जलयान का अर्थ होगा तटवर्ती जलयान के अतिरिक्त जलयान।

2. उपर्युक्त के अनुसार पत्तन शुल्क तटवर्ती जलयान के सम्बन्ध में तीस दिनों में केवल एक बार देय होगा।

[फाइल सं० पी० डब्ल्यू/पीजी आर/36/84]

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 29th September, 1984

G.S.R. 700(E).—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 33, read with Section 34 of Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of notification of Government of India in the Ministry of Shipping & Transport (Ports Wing) No. GSR-692 (E), dated 9th November, 1977, the Central Government hereby directs that with effect from the day the following the expiration of 60 days from the date of publication of notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied on each of the Vessel entering the Port of Paradip as given in the schedule placed below :

#### SCHEDULE

GRT of Vessel	Port dues in Rs./entry
1. Upto 200	2.50/GRT.
2. 201-499	2.50/GRT
3. 500-2999	2.50/GRT
4. 3000-6999	2.50/GRT
5. 7000-14999	3.00/GRT
6. 15000-24999	3.00/GRT
7. 25000-39999	3.00/GRT
8. 40000-to above.	3.50/GRT

#### NOTE. 1. Definition

(i) Coastal/Coasting with reference to Vessels will mean a vessel plying between One Indian Port and another.

(ii) Foreign Vessel means a Vessel other than a Coasting Vessel.

2. Port dues as above, would be payable only once in thirty days in respect of Coastal Vessel.

[F. No. PW/PGR/36/84]

सा. का. नि. 701(अ).—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के खण्ड 35 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और नौवहन और परिवहन मंत्रालय के दिनांक 9 नवम्बर, 1977 के सा. का. नि. संख्या 693(ई) और दिनांक 6 दिसम्बर, 1977 के सा. का. नि. 733(ई) में भारत सरकार को अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रिय सरकार एतद्-

द्वारा पारादीप पत्तन के लिए मार्गदर्शन शुल्क की वसूल के विनियमन के लिए निम्नलिखित आदेश बनाते हैं:—

#### आवेश

निम्नलिखित दर पर मार्ग दर्शन शुल्क पारादीप पत्तन के लिए जलयान के एक बार अन्दर आने या बाहर जाने के लिए, दरों की सारणी के नीचे टिप्पणी में दी गई शर्त के अधीन वसूल किया जाएगा:—

जलयान का जी.आर. टी. मार्गदर्शन शुल्क (एक बार अन्दर आने अथवा बाहर जाने के लिए, रुपयों में)

1. 200 तक	1,600.00	यदि लागू हो
2. 201-499	1,600.00	
3. 500-2999	3,100.00	
4. 3000-6999	5,400.00	
5. 7000-14999	13,100.00	
6. 15000-24999	32,500.00	
7. 25000-39999	52,000.00	
8. 40000 से अधिक	65,000.00	

टिप्पण: 1. जलयान के मार्गदर्शन के लिए टगों को लगाने के लिए निर्धारित दर पर अतिरिक्त किराया प्रभार अदा करना होगा।

2. मार्गदर्शन शुल्क के मामले में रात्री मार्गदर्शन के लिए कोई अतिरिक्त प्रभार नहीं लिया जाएगा। जलयानों के मन्दर गति से चलने पर अनुसूची में दिखाई दर से अधिक 5 प्रतिशत अतिरिक्त मार्गदर्शन प्रभार लिया जाएगा।

3. यदि पत्तन की सुविधा के लिए जलयान को स्थानान्तरित किया जाता है तो स्थानान्तरण शुल्क या टग किराया नहीं लिया जाएगा लेकिन यदि जलयान को उसको अपनी सुविधा के लिए या किसी अन्य जलयान की सुविधा के लिए स्थानान्तरित किया जाता है या हटाया जाता है तो जिस जलयान को सुविधा के लिए स्थानान्तरण किया गया है वह अनुसूची के अनुसार टग किराया प्रभार या मार्गदर्शन शुल्क अदा करेगा।

4. पायलट को रोकने का शुल्क :—

(1) मार्गदर्शन के प्रयोजन के लिए उसको चलाने वाले पायलट के 30 मिनट के अन्दर यदि जलयान नहीं हट पाता है तो उसे 30 मिनट से अधिक समय के लिए उसके हटने तक 1250 रु० प्रति घण्टा या घण्टा के एक भाग का दर पर अतिरिक्त प्रभार देना होगा।

- (2) पायलट के उस पर सवार होने के बाद यदि जलयान के हटाये जाने को रद्द कर दिया गया है तो रद्द किए जाने के लिए 1875 रु० का प्रभार वसूल किया जाएगा।
- (3) "जी" ध्वज जगाये जाने के बाद लेकिन पायलट के उस पर सवार होने से पहले यदि जलयान को हटाया जाना रद्द कर दिया गया है तो रद्द किए जाने के लिए 1250 रु० का प्रभार वसूल किया जाएगा।
- (4) खराब मौसम के कारण यदि बाहर जाने वाला जलयान पायलट को पत्तन की सीमा से बाहर ले जाता है तो पायलट के पुनः पत्तन पर इयूटों के लिए रिपोर्ट करने तक जलयान के मास्टर द्वारा 2500 रु० प्रतिदिन की दर पर मुआवजा अदा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जहाज पर सवार पायलट के रहने, खाने का खर्च और उसे पत्तन पर वापिस भेजने का खर्च भी जलयान के मास्टर द्वारा अदा किया जाएगा।

[फाइल सं० पी० डब्ल्यू/पोजीभर/36/84]

पी० बी० राय, संयुक्त सचिव

G.S.R. 701(E).—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 35 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) and in supersession of Notification of Government of India in the Ministry of Shipping & Transport No. GSR-693(E), dated 9th November, 1977 and GSR 733(E), dated 6th December, 1977, the Central Government hereby makes the following order for regulating the levy of Pilotage fee for Port of Paradip.

## ORDER

The Pilotage fee at the rate mentioned below will be levied for single movement inward or outward of the Vessel for the Port of Paradip subject to the conditions mentioned in the note below the table of rates :

GRT of Vessel	Pilotage fee (In Rs. for single movement, inward or outward.)
1	2
1. Upto 200	1,600.00 if applicable.
2. 201-499	1,600.00 :

1	2
3. 500-2999	3,100.00 :
4. 3000-6999	5,400.00 :
5. 7000-14999	13,100.00 :
6. 15000-24999	32,500.00 :
7. 25000-39999	52,000.00 :
8. 40000 to above	65,000.00 :

Note: 1. For the deployment of tugs for Pilotage of Vessel tug hire charges will have to be paid extra as per prescribed rate.

2. In case of Pilotage fees, there shall be no extra charge for night Pilotage. For cold movement of Vessel Pilotage charges will be 50% extra over the rate shown in the above schedule.

3. When a Vessel is shifted for the convenience of the Port no shifting or remoooring fees or Tug Hire shall be charged. But, when a Vessel is shifted or remooored for her own convenience or for the convenience of another Vessels, the Vessel for whose convenience the shifting takes place shall pay Tug hire charges and Pilotage fee as per Schedule.

## 4. Pilot's Detention Fee:

- (i) If the Vessel is not able to move within 30 minutes of the Pilot boarding it for the purpose of the Pilotage, it shall be liable to pay an extra charge at the rate of Rs. 1250/- per hour or part of an hour beyond 30 minutes till it moves.
- (ii) If the movement of a Vessel is cancelled after the Pilot has boarded it, a cancellation charge of Rs. 1875/- shall be levied.
- (iii) If the movement of a Vessel is cancelled after the hoisting of the G. Flag but before the Pilot has boarded it, a cancellation charge of Rs. 1250/- shall be levied.
- (iv) If an outward bound Vessel carries away a Pilot outside the Port limits due to bad weather, compensation at the rate of Rs. 25,00/- per day shall be payable by the Master of the Vessel till the Pilot reports back for duty at the Port. In addition, the board lodging expenses of the Pilot on board the Ship and the cost of sending him back to the Port shall also be payable by the Master of the Vessels.

[F. No. PW/PGR/36/84]  
P. V. RAO, Jt. Secy.

